A-0407

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-608

ज्योतिष प्रबोध–02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. आर्यभट्ट द्वारा प्रतिपादित भू–भ्रमण सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

Q.2. ब्राह्मण ग्रन्थों के आधार पर पृथ्वी के गोलत्व का प्रतिपादन कीजिए।

Q.3. परिधि–व्यास सम्बन्ध को व्याख्यायित कीजिए।

Q.4. प्राचीन शास्त्रों एवं साहित्य शास्त्र में शून्य विषयक अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Q.5. पराशर मतानुसार अष्टकवर्ग विचार को प्रकाशित कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. ब्रह्मगुप्त प्रमेय की व्याख्या कीजिए।

Q.2. अंक–स्थान को स्पष्ट कीजिए।

Q.3. चन्द्रमा के रेखाकारक ग्रह एवं स्थान को वर्णित कीजिए।

Q.4. लग्न की बिन्दु संख्या और बिन्दुप्रद ग्रह से आप क्या समझते हैं?

P.T.O.

Q.5. केप्लर के तृतीय नियम की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

Q.6. मङ्गल ग्रह के अष्टकवर्ग का फल लिखिए।

Q.7. तैत्तिरीय ब्राह्मण के अनुसार शून्य विषयक तथ्य को उद्घाटित कीजिए।

Q.8. शुक्र ग्रह के अष्टकवर्ग का फल लिखिए।

****